PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Punjab Kesari, Delhi**
**Wed, 16 Aug 2017, Page 3**
**Width: 42.98 cms, Height: 47.62 cms, a3, Ref: 22.2017-08-16.22**

नई दिल्ली में 71वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले पर ध्वजारोहण के बाद बच्चों से मिलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मौजूद भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, कांग्रेस की अध्यक्षा सोनिया गांधी व अन्य बड़े नेता। (छायाः प्रैट्र)

# 2022 तक न्यू इंडिया का निर्माण करेंगे

**नई दिल्ली,** (भाषा): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 तक भारत को एक समृद्ध देश बनाने के लिए आज 'न्यू इंडिया' का संकल्प जताया और इसमें हर नागरिक से छोटा-बड़ा योगदान करने की अपील की। मोदी ने कहा कि न्यू इंडिया ऐसा होगा जहां गरीब के पास पक्का घर हो, बिजली हो, पानी हो और जहां युवाओं, महिलाओं को अपने सपने पूरे करने के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने 71वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा कि हमें ऐसा 'न्यू इंडिया' बनाना है जो सुरक्षित, समृद्ध और शक्तिशाली हो और जिसका आधुनिक विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में विश्व में दबदबा हो।

उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने में सामूहिक शक्ति लगाने पर जोर देते हुए कहा कि कोई छोटा नहीं होता, कोई बड़ा नहीं होता। उन्होंने 'सेतु-बंध' में गिलहरी के प्रयास की कथा का उदाहरण देते हुए कहा, ''एक गिलहरी भी परिवर्तन की प्रक्रिया की हिस्सेदार बनती है, वो कथा हम सब जानते हैं। इसलिए सवा सौ करोड़ देशवासियों में न कोई छोटा है न कोई बड़ा है। हर कोई अपनी जगह से 2022 के आजादी के बाद के 75 साल एक नया संकल्प, एक नया इंडिया, नई ऊर्जा, नया पुरुषार्थ सामूहिक शक्ति के द्वारा हम देश में परिवर्तन ला सकते हैं। न्यू इंडिया जो सुरक्षित हो, समृद्ध हो, शक्तिशाली हो, न्यू इंडिया जहां हर किसी को समान अवसर उपलब्ध हो, न्यू इंडिया जहां आधुनिक विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में भारत का विश्व में दबदबा हो।'' मोदी ने कहा, ''हम आज आजादी के 70 वर्ष और 2022 में आजादी के 75 साल मनाएंगे, ये वैसा ही है जिस तरह 1942 से 1947 में देश ने सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन किया था। अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया और पांच साल के भीतर-भीतर अंग्रेजों को हिन्दुस्तान छोड़कर जाना पड़ा। हमारी आजादी के 75 साल के पांच साल अभी हमारे पास हैं। हमारी सामूहिक संकल्प शक्ति, हमारा सामूहिक पुरुषार्थ, हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता उन महान देशभक्तों को याद करते हुए परिश्रम की पराकाष्ठा, 2022 में आजादी के दीवानों के सपनों के अनुरूप भारत बनाने के लिए काम आ सकती है और इसलिए न्यू इंडिया का एक संकल्प लेकर हमें देश को आगे बढ़ाना है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, न्यू इंडिया हमारी सबसे बड़ी ताकत है, लोकतंत्र है लेकिन हम जानते हैं कि हमने लोकतंत्र को मत-पत्र तक सीमित कर दिया है।

## संकल्प जताया

हर गरीब के पास पक्का घर, बिजली, पानी और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता

## नई व्यवस्था बदल देगी किसानों का जीवन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र में सिंचाई समेत बुनियादी ढांचा पर जोर देते हुए कहा कि सरकार किसानों के लिए बीज से लेकर बाजार तक व्यवस्था विकसित करने में लगी है और इससे करोड़ों किसानों की जिंदगी में एक नया बदलाव आएगा। मोदी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद देश के किसानों ने फसल के साथ-साथ दाल का रिकार्ड उत्पादन किया है। उन्होंने कहा, ''सरकार बुनियादी ढांचा को बढ़ावा दे रही है। किसान संपदा योजना लागू की गई है जिसके जरिये उन व्यवस्थाओं का निर्माण किया जाएगा जो बीज से बाजार तक किसानों को लाभ पहुंचाएंगी और उनके लिए व्यवस्थाएं विकसित करेंगी। इसके जरिये हम करोड़ों किसानों की जिंदगी में एक नया बदलाव लाने में सफल होंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''किसान को बीज से बाजार तक जब तक व्यवस्था नहीं दी जाती, हमारे किसान के भाग्य को हम नहीं बदल सकते हैं और इसलिए उसके लिए बुनियादी ढांचा चाहिए, उसके लिए आपूर्ति श्रृंखला चाहिए।''

# 1.75 करोड़ जमा राशि में 18 लाख लोग जांच के दायरे में

**नई दिल्ली,** (भाषा): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कालेधन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प जताते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद आय-व्यय अंतर पाए जाने पर 18 लाख लोग और 1.75 लाख करोड़ रुपए से अधिक की जमाराशि जांच के घेरे में है। उन्होंने कहा कि कालाधन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उनके चलते देश में ईमानदारी का उत्सव मनाया जा रहा है और बेईमानों को सिर छुपाने के लिए जगह नहीं मिल रही है। सरकार की सख्ती से अब तक 800 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति को जब्त किया गया है। पीएम ने कहा, ''जिन लोगों ने इस देश को और गरीबों को लूटा है वह चैन की नींद नहीं सो सकेंगे।'' उन्होंने कहा कि सरकार के नोटबंदी के कदम से दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित संपत्ति बैंकिंग तंत्र में आई है। 56 लाख नए लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल की है जबकि तीन लाख से अधिक मुखौटा कंपनियों का पता चला है जिनमें से 1.75 लाख कंपनियों का पंजीकरण रद्द किया जा चुका है।

**सिंचाई, बीज से लेकर बाजार तक की व्यवस्था पर काम कर रही सरकार**

सरकार ने कालेधन को बाहर निकालने के लिए पिछले साल आठ नवंबर को 500 और 1000 रुपए के नोट चलन से हटाने की घोषणा की और लोगों को ऐसे नोट अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए 50 दिन का समय दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''नोटबंदी के बाद 1.75 लाख करोड़ रुपए से अधिक जमाराशि जांच के घेरे में है। दो लाख करोड़ से अधिक कालाधन बैंकों में पहुंचा है और अब इस तरह का धन जमा कराने वालों को सवालों का जवाब देना होगा।''

## भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

''कालेधन और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। आधुनिक प्रौद्योगिकी और पहचान के बायोमैट्रिक तरीके आधार को बैंक खातों और आयकर स्थायी खाता संख्या (पैन) के साथ जोड़ने से हमने इस दिशा में सफल प्रयास किया है।'' उन्होंने कहा है कि कम समय में ही सरकार ने 800 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति को जब्त किया है।

## जश्न-ए-आजादी के तरानों को मोदी ने खूब सराहा

नई दिल्ली, (भाषा): जश्न-ए-आजादी को ध्यान में रखते हुये बनाये गये गानों की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तारीफ की है। फिल्म जगत की मशहूर संगीतकार जोड़ी सलीम-सुलेमान और सामाजिक संगठन वन इंडिया फाउंडेशन द्वारा 71वें स्वतंत्रता दिवस के लिये खासतौर पर तैयार किये गए तरानों को मोदी ने बेहतरीन प्रस्तुति बताया है। मोदी ने संगीतकार सलीम मर्चेंट और सुलेमान द्वारा जश्न-ए-आजादी के लिये तैयार किये गये गाने 'मेरा देश ही धरम' को उनकी अनूठी रचनात्मकता का बेहतरीन नमूना बताया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सलीम भाई और सलमान भाई आपने 'मेरा देश ही धरम' वीडियो के माध्यम से देश को बहुत दमदार संदेश दिया है। सलीम-सुलेमान ने लगभग साढ़े तीन मिनट के इस वीडियो में देशभक्ति की भावनाओं से ओतप्रोत सैनिकों के जज्बे को समर्पित गाने की शुरुआत से पहले ही एक संदेश में कहा है कि सरहद की हिफाजत का सर पर चढ़ा फितूर है, देश धर्म की रक्षा ही वर्दी का दस्तूर है। ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करने के बाद मोदी ने सलीम-सुलेमान द्वारा ट्वीटर पर उन्हें शेयर किये गये इस गाने के प्रस्तुतिकरण की तारीफ की। मोदी ने बदलते भारत की तस्वीर पेश करते हुये वन इंडिया फाउंडेशन द्वारा तैयार किये गये तराने की भी तारीफ की।

## कांग्रेस ने मोदी के भाषण को निराशाजनक बताया

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वाधीनता दिवस संबोधन को 'बेहद निराशाजनक' करार देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी सरकार की विफलताओं और अधूरे वादों का उल्लेख नहीं किया, वहीं वाम एवं अन्य विपक्षी दलों ने कहा कि उसमें कुछ भी खास नहीं था। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता आनंद शर्मा ने कहा कि मोदी ने गोरखपुर त्रासदी की अन्य प्राकृतिक आपदाओं से तुलना करते समय बच्चों के मारे जाने की घटना के बारे में कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि किसी ने भी प्रधानमंत्री को कश्मीरियों से गले मिलने या समास्या का समाधान निकालने को नहीं रोका है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री का स्वाधीनता दिवस पर संबोधन बहुत ही निराशाजनक रहा। तीन साल के बाद उनके लिए यह समय था कि वह अपनी सरकार द्वारा लोगों विशेषकर युवाओं, किसानों एवं कमजोर वर्गों से किए गए वादों को पूरा करने में अपनी विफलताओं का उल्लेख करें।''